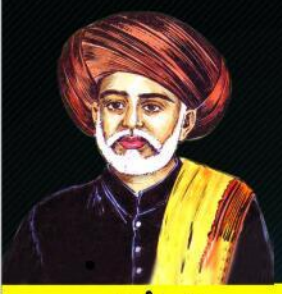

हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 8 • अंक 100 • 31 अक्टूबर, 2013 • मूल्य : 150/- वार्षिक

महालक्ष्मी आरती

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।
तुमको निसिदिन सेवत, हर.विष्णु विधाता ॥ ॐ जय... ॥
उमाए रमा, ब्रह्माणी तुम ही जग माता ।
सूर्य.चंद्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ॥ ॐ जय... ॥
दुर्गारूप निरंजनि, सुख-संपत्ति दाता ।
जो कोई तुमको ध्याता, रिद्धि-सिद्धि धन पाता ॥ ॐ जय... ॥
तुम पाताल निवासिनि तुम ही शुभदाता ।
कर्मप्रभाव प्रकाशिनी भवनिधि की त्राता ॥ ॐ जय... ॥
जिस घर तुम रहती तहं, सब सद्गुण आता ।
सब संभव हो जाता, मन नहिं घबराता ॥ ॐ जय... ॥
तुम बिन यज्ञ न होते, वस्त्र न हो पाता ।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता ॥ ॐ जय... ॥
शुभ-गुण मंदिर सुंदर, क्षिरोदधि जाता ।
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहिं पाता ॥ ॐ जय... ॥
महालक्ष्मी की आरती, जो कोई नर गाता ।
उर आनंद समाता, पाप उतर जाता ॥ ॐ जय... ॥

शुभदिपावली

माली संस्थान प्रतिभा सम्मान समारोह की झलकियां

RAJHIN 16445/20/1/2013-TC

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 8 ● अंक 100 ● 31 अक्टूबर, 2013 ● मूल्य : 150/- वार्षिक

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन)
(अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति)

सह संरक्षक:

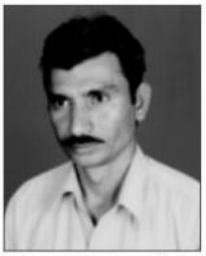

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(पूर्व पार्षद)

प्रेस फोटोग्राफर

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

इस अंक में

आवरण कथा

अर्जुन अवार्ड प्राप्त होने पर राजकुमारी डोयिा का समाज द्वारा नागरिक अभिनन्दन

श्री गुजराती रामी माली समाज के चुनाव सम्पन्न श्री चौहान अध्यक्ष बने

जीवन परिचय : स्व. श्री कन्हैयालाल सैनी

जनता का पैसा जनता को दिया - श्री अशोक गहलोत

मानवता के मसीहा श्री भगवानसिंह परिहार के 85वें जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर

बस्सी में प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

माली सैनी समाज कर्मचाी अधिकारी विवरणिका का लोकार्पण

रामस्नेही संत श्री रामप्रसादजी महाराज के कर कमलों से

मारवाड़ नरनारायण संस्थान जैतारण का शुभारम्भ

भगवानसिंहजी जीवन परिचय

श्री बड़ा रामद्वारा सूरसागर के ामस्नेही संत श्री रामप्रसाद महाराज द्वारा

विशाल श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन

जोधपुर भवन हद्विार की आमसभा एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

सम्पादक की कलम से ...

सामाजिक विकास में संस्थाओं की भागीदारी....

माली सैनी समाज गौरवशाली समाज है। समाज द्वारा समाज बंधु हितार्थ अनेकों कार्य किये जा रहे है। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को छात्रवृति, विधवा, असहायों के लिए विभिन्न संस्थाओं द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है। जो कि सराहनीय ही नहीं प्रंशसनीय भी है। परंतु समाज के स्थानीय संगठनों द्वारा जरूरतमंद बंधुओं को अपेक्षित सहयोग नहीं प्राप्त हो रहा है। काफी लोगों को यह नहीं मालूम की कौनसी संस्था द्वारा किस रूप में सहयोग दिया जा रहा है। अत: स्थानीय सभा, तहसील सभा, जिला सभा, प्रदेश सभा अपने स्तर पर समाज बंधुओं को संगठन अथवा संस्थाओं द्वारा जा कार्य किए जा रहे है ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसाद कर जजरूरतमंद भाई/बहनों को सहयोग कराएं।

समाज में बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने की ओर हमें प्रयास करना चाहिए। आज विवाह संबधों में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस विषय पर गंभीरता से विचार करना होगा। हमारे समाज की अनेकों लड़के लड़कियां अन्य जातियों में विवाह कर रही है। यही नहीं आजकल समाज में तलाकें होकर विवाह विच्छेद हो रहे है इसमें कुछ सही होते है कोर्ट में अनेकों केस हो रहे है। जिसके कारण अनेकों परिवार विकट समस्याओं से जुझ रहे है। हमारे समाज को जो विकास होना चाहिए वो अन्य समाजों के मुकाबले नहीं के बराबर है हम मंचों पर बड़ी बड़ी बातों तथा भाषणों से समाज का भला नहीं कर सकते है। इसके लिए सब मिल कर सकारात्मक सोच से एक विचारधारा बना कर कार्य करे तो ही समाज आगे बढ़ पायेगा। हमें कुछ कर के दिखाना होगा समाज के आयोजनों में समाजबंधुओं को जोड़ना होगा सामाजिक आयोजनों में समाज के लोगों की भागीदारी दिन-ब-दिन कम हो रही है।

समाज के प्रत्येक बंधु को समाज की संस्थाओं से जोड़ना होगा ताकि वे भी अपनापन महसूस करें कि समाज के लोग हमारे बारें में चिंतनशील है। जब भी संस्थाओं की मीटिंग होती है लोगों के मन में यही भाव आता है कि कुछ होना नहीं है जा कर क्या करें। ऐसा विचार क्यों आता है क्योंकि संस्थाओं द्वारा कुछ विशेष कार्य जो कि समाज हित के है उन पर ध्यान नहीं दिया जाता है। जो संस्थाएं कार्य कर भी रही है उनकी जानकारी उनको नहीं है। जो सहयोग के पात्र है उन्हे सहयोग देने दिलाने की बात नहीं होती है।

समाज के सभी संगठनों, संस्थाओं के पदाधिकारियों से निवेदन है कि अपने अपने क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को सहयोग कराएं तथा उनकी हर समस्याओं का निराकरण में सहयोग करें। समाज की मीटिंग में अच्छे वक्ताओं से विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु टॉक शो कराएं, जिससे समाज के प्रत्येक बंधु उनके व्यक्तव सुन कर जागृत हो सके। इसके साथ ही सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी पेम्पलेट, सामाचार पत्र, सामाजिक पत्रिकाओं के द्वारा घर-घर पहुंचाए। इसके साथ ही कार्यक्रम में किन किन विषयों पर चर्चा होगी इसकी जानकारी भी प्रदान करें। समाज हितार्थ कार्य करने वाले समाजबंधुओं को अधिक से अधिक समाज की संस्थाओं में शामिल करें। इस समस्या के निराकरण हेतु समाज के संगठनों एवं संस्थाओं के पदाधिकारी विचार कर इन बिंदुओं पर अमल करें जिससे समाज के प्रति लोगों का आदर भाव बना रहे तथा समाज को संगठित करने में सभी का सहयोग प्राप्त हो।

पत्रिका के विषय सामग्री पर समाजबंधुओं द्वारा मोबाईल पर दी गई बधाई एवं सुझावों के लिए हम उनके आभारी है।

जय माली सैनी समाज

मनीष गहलोत
प्रधान सम्पादक

न हि मानुषात श्रेष्ठतम् किंचित।

(अर्थात मानवता से बढ़कर कोई धर्म नहीं है)

श्री भगवानसिंह परिहार

संसार में मनुष्य रूप में भी कुछ ऐसे ''देवपुरूष'' है जो मनुष्य योनि में जन्म लेकर भी देवताओं जैसे कार्य करते है। उनके प्रत्येक कर्म निस्पृह, निरीह, कामना रहित होते है। परोपकार में सतत् लगे रहना तथा नाम, यश, मान-सम्मान की इच्छा भी नहीं करना। ऐसे ही देवपुरूषों में गिने जाने योग्य है मारवाड़ जोधपुर के श्री भगवान सिंह परिहार आपका जन्म 12 अक्टूबर, 1929 को जोधपुर में पिता श्री श्रीरामसिंह परिहार के घर मातुश्री मानीदेवी की पवित्र कोख से हुआ। आपकी शिक्षा-दीक्षा जोधपुर में ही संपन्न हुई। आपका कर्म क्षेत्र भी जोधपुर व आसपास का क्षेत्र ही रहा। आपने आजीविका के निमित विभिन्न गौरवशाली पदों पर कार्य किया तथा पद-प्रतिष्ठा भी प्राप्त की। किंतु इनके अन्तर्मन को यह सब कुछ अच्छा नहीं लगा। मनुष्य रूप में तो आपने विभिन्न सेवाओं में रहते हुए जनकल्याणी कार्य तो किये ही किंतु आपके भीतर छुपी देवात्मा को इनसे सन्तुष्टि नहीं हुइ। आपने मानव जीवन की सार्थकता के लिए इन सबसे हटकर और कुछ नया करने की ठानी। दृढ़ संकल्प एवं प्रबल इच्छाशक्ति के समक्ष विध्न-बाधाएँ दूर होकर सफलता का मार्ग स्वत: प्रशस्त हो जाता है। श्री भगवान सिंह परिहार को भी अपने कार्य में कई समस्याओं का सामना करना पड़ा किंतु ध्येय पवित्र हो, उद्देश्य निष्काम हो, इरादा पक्का हो तो समस्याएँ भी सफलता का स्वरूप ले लेती है। श्री परिहार के साथ भी ऐसा ही हुआ। आपने अपनी प्रबल इच्छाशक्ति एवं दृढ़संकल्प के बल पर कई जनहितकारी संस्थानों की स्थापना की तथा उनका सफलतापूर्वक संचालन कर रहे है।

विशेष उल्लेखनीय तथा अविस्मरणीय तथ्य यह है कि आपने ऐसे बच्चों के कल्याण का मार्ग चुना जिन्हें माता-पिता भी त्याग देते है भगवान भी जिने मुँह मोड़ लेता है। धरती का यह भगवान (सिंह परिहार) उन्हें अपनाता है, हृदय से लगाता है तथा जीवन निर्माण के हर संभव प्रयत्न करता है। मानव समाज जिसे हेय समझता है, घृणित दृष्टि से देखता है और ठुकराता है पृथ्वी का यह देवपुरूष (श्री भगवान सिंह परिहार) उसे विधाता की परम पवित्र रचना समझकर अपनाता है। ईश्वर की प्रत्येक रचना में परमात्मा का अनुभव करना, उसका स्वरूप देखना यहीं चिंतन की पराकाष्ठा है यही दिव्य दृष्टि है। यहीं वह स्तर है जहाँ मनुष्य व भगवान का अन्तर स्वत: समाप्त हो जाता है। साधारण मानव तथा इस दिव्य विभूति के चिंतन में कितना अंतर!! करने योग्य कर्म सतत् करते रहना तथा फल की इच्छा भी नहीं करना यही है कर्म योग। यही है गीता का गूढ़ ज्ञान। जिसे श्री भगवान सिंह परिहार ने हृदयङ्गम कर रखा है तथा अपने सम्पूर्ण जीवन को इसी में लगा कर मान जीवन को सार्थक कर रहे है। मनुष्य के लिए कर्तव्य कर्म ही उसका धर्म है। और जहां धर्म है वहाँ शील है, जहाँ शील है वहाँ सत्य है और जहाँ सत्य है और जहाँ सत्य है वहां ''श्री'' (लक्ष्मी) का निवास है। संक्षिप्त: जहाँ धर्म है वहाँ शील, सत्य श्री आदि सब है। समस्त आगम-निगम, वेद पुराण, शास्त्र आदि का सार भी यही है और श्री भगवान सिंह परिहार ने सर्व शास्त्र के सार को सच्चे अर्थो में आत्मसात् किया है अपने जीवन में। इससे बढ़कर मानव जीवन की सार्थकता और किसमें हो सकती है?

अपने 83 वर्षीय जीवन में श्री भगवान सिंह परिहार ने परमार्थ के कितने कर्म और किस स्तर पर किए है यह शोध का विषय है। हम इस शोध की गहराई में जितना अधिक जाएँगे आपकी समर्पित सेवाओं की भावनाओं को उतना ही ऊँचा पाएँगे। यदि आपके पास समय है तो जाइये नवजीवन संस्थान (लव-कुश संस्थान, ''आस्था'' बाल शोभागृह, लव-कुश बाल विकास केन्द्र, गायत्री बालिका विकास गृह जैसे पवित्र स्थलों पर। इन स्थलों का निर्माण कार्य, वहाँ का प्रत्येक बाल-बालिका, प्रत्येक कर्मचारी ही नहीं बल्कि प्रत्येक जड़-जङ्गम पदार्थ श्री परिहार के परमार्थ व सर्वोच्य विचारधारा के कथा स्वयं कहेंगे। आवश्यकता है केवल वहाँ जाकर उनका बारिकी से अध्ययन करने की, परमार्थ के प्रत्येक पाठ को पढ़ने की तथा उससे सद्प्रेरणा ग्रहण करने की। न केवल माली-सैनी समाज और न केवल जोधपुर शहर बल्कि सम्पूर्ण मारवाड़ क्षेत्र के लिए यह गर्व का विषय है कि ऐसे परमार्थी, परम दिव्य पुरूष का जन्म माली सैनी समाज में हुआ। आपके जन्म (नहीं बल्कि कहना चाहिए कि अवतार) से मारवाड़ की धरा धन्य हुई। ''मानवता के मसीहा'' ने प्राणी मात्र के लिए इतना कुछ किया और कर रहे है। आपके जन्मदिवस के शुभ अवसर पर हम आपको हार्दिक बधाई देते है तथा आपके सुख समृद्धिमय और शांतिपूर्ण भावी जीवन की मंगलकामना करते है।

हम सब नमन करते है परमार्थ की आपकी परम पवित्र भावनाओं को। मानवता की यह निस्वार्थ सेवा ही आपकी तपस्या है, साधना है। आपकी इस साधना के समक्ष हम सब श्रद्धावनत है। स्वयं मानवता आपकी इस सेवा के लिए आपकी सदा ऋणी रहेगी। किसी भी प्रकार का मान सम्मान, उपाधि, पदक अथवा पुरस्कार देकर भी आपके इस ऋण से उऋण (ऋणमुक्त) नहीं हुआ जा सकता। धन्य है आपका कुल, धन्य है आपके माता-पिता जिनकी 'कोख' को आपने अपने पुरूषार्थ से पवित्र किया । ऐसी दिव्य विभूति के सेवा भाव के बदले कुछ दिया जाय या किया जाय वह कम है।

सत्पत् सोसायटी एव माली सैनी संदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित

मानवता के मसीहा श्री भगवानसिंह परिहार के 85वें जन्म दिवस पर 88 लोगों ने रक्तदान कर दिया सम्मान

नवजीवन संस्थान एवं माली सैनी संदेश द्वारा प्रदान की गई 27 सिलाई मशीनें

जोधपुर। मानवता के मसीहा एवं असहायों के लिए देवतुल्स माली समाज के कर्मठ समाजसेवी श्री भगवान सिंह परिहार के 85वें जन्मदिवस के उपलक्ष में आयोजित समारोह में समाज के ही नहीं वरन् सर्वसमाज के लोगों ने श्री भगवान सिंह परिहार के सतकर्मो से प्रेरित हो उनके जन्मोंत्वस के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान के कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

सत्पत् सोसायटी के सचिव श्री राजेश गहलोत ने बताया कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाजसेवी श्री भगवान सिंह परिहार के जन्मदिवस पर माली सैनी संदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में 88 लोगों ने रक्त कर श्री भगवानसिंह परिहार के दिर्घायु होने की मंगलकामना की। इस रक्तदान शिविर में युवाओं, महिलाओं एवं समाज के विरष्ठ जनों ने रक्तदान किया। समाजसेवी श्री भगवान सिंह परिहार को राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने फोन कर उनकी लंबी उम्र एवं समाजसेवा के किये जा रहे श्री भगवान सिंह परिहार के प्रयासों से सभी की सीख लेने की बात कही।

समारोह के मुख्य अतिथि रामस्नेही संत श्री रामप्रसाद जी महाराज थे। इस अवसर पर श्री सुखवीर सिंह सैनी अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट, जयपुर, माली संस्थान अध्यक्ष श्री देवीचंद देवड़ा, पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत, जेडीए चेयरमेन श्री राजेन्द्र सोलंकी, हरिद्वार धर्मशाला अध्यक्ष श्री बाबूलाल पंवार, पुष्कर धर्मशाला अध्यक्ष श्री ऊंकारराम कच्छवाहा, सुमेर शिक्षण संस्थान के श्री बाबूलाल गहलोत, राजसिको अध्यक्ष श्री सुनील परिहार, श्री योगेश गहलोत। जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रेमचंद सांखला, शिक्षाविद् श्री शिवसिंह कच्छवाहा, समाजसेवी श्री जसवंत सिंह कच्छवाहा, विधायक श्रीमती सूर्यकांता व्यास, पूर्व सांसद श्री जसवंतसिंह विश्नोई सहित शहर के अनेकों गणमान्य व्यक्तियों ने श्री भगवानसिंह परिहार को जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके दिर्घायु जीवन की मंगलकाना की।

इस अवसर पर नवजीवन संस्थान द्वारा विधवा, परित्यागता एवं आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को 21 सिलाई मशीनें नि:शुल्क प्रदान की गई। माली सैनी संदेश ने भी अपने सामाजिक सरोकार को निभाते हुए 6 महिलाओं को सिलाई मशीनें प्रदान की।

समारोह के रक्तदान शिविर को सफल बनानें में युवा शक्ति श्री सांवर परिहार, श्री अशोक टाक, श्री रामकिशोर कच्छवाहा के साथियों का विशेष सहयोग रहा। इसके अलावा श्री जगन्नाथ गहलोत, श्री लक्ष्मण परिहार सहित अनेक समासेवियों ने इस आयोजन को सफल बनानें में अपती महत्ती भूमिका निभाई। माली सैनी संदेश के संपादक मनीष गहलोत एवं सत्पत् सोसायटी के सचिव श्री राजेश गहलोत ने सभी का हार्दिक आभार प्रकट किया।

माली संस्थान, जोधपुर का वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह 750 विद्यार्थियों का सम्मान

जनता का पैसा जनता को दिया-श्री अशोक गहलोत

जोधपुर। मुख्मंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने जनता के पैसे से जनकल्याणकारी योजनाएं बनाई और इन योजनाओं के माध्यम से जनता को लाभ पहुंचाया। जनता पैसा था, जनता को दे दिया, लेकिन लोग अकारण यह दुष्प्रचार कर रहे है कि चुनाव नजदीक आने के कारण पिछले एक साल में ही काम किए गए।

वे माली संस्थान की ओर से रविवार आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मारवाड़ से जुड़े समाज के जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। गहलोत चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण कार्यक्रम में बिना सरकारी कार्यक्रम और काफिले के पहुंचे। उन्होने चुटकी लेते हुए कहा कि हां! पैसा जादू से आ रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी काम एक दो दिन या एक दो महीनें में नहीं हुआ, गरीबो को सस्ता गेहूं देने की योजना चार साल पहले बनी थी, नि:शुल्क दवा व आवास योजना तीन साल पहले बनी थी। वहीं कर मुक्त योजना डेढ़ साल पहले बनाई गई। दवा योजना लागू करने में डेढ़ साल लग गए। योजनाएं बनाने से लागू करने तक की प्रक्रिया में लंबा समय लगता हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेडीए चेयरमैन राजेन्द्रसिंह सोलंकी ने की।

विशिष्ट अतिथि भारतीय विदेश सेवा में चयनित इजराइल में नियुक्त भारत के उप उच्चायुक्त श्री राजेश परिहार ने 'बाद से शादी सगाई, पहले करो आगे पढ़ाई' नारा देते हुए कहा कि समाज प्रशासनिक व आर्थिक सेवा के लिए कोचिंग से अच्छी प्रतिभाएं सामने लाए। कार्यक्रम अध्यक्ष राजसिकों अध्यक्ष श्री सुनील परिहार, आईएएस श्री पृथ्वीराज साँखला, भूमि विकास बैंक बालोतरा के सहायक निदेशक श्री राजेन्द्र गहलोत, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) श्री प्रेमचंद सांखला, महात्मा ज्योति बा फूले जागृति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मोतीलाल सांखला और माली संस्थान के अध्यक्ष श्री देवीचंद देवड़ा ने भी विचार व्यक्त किए। प्रारंभ में संस्थान अध्यक्ष देवड़ा ने 1 करोड़ 40 लाख 50 हजार रूपये बजट पेश किया, जिसका संस्थान के आजीवन सदस्यों ने अनुमोदनकिया। संस्थान के इस आम सभा में संस्थान के सक्रिय आजीवन सदस्य श्री हरी सिंह आर्य ने संस्थान के विकास एवं समाज हित की अनेक बिंदुओं पर विचार प्रकट कर संस्थान के पदाधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। श्री नरपत सिंह कच्छवाहा ने बहुप्रतियोगी प्रशिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों के हित हेतु अनेकों सुझाव प्रस्तुत किये तथा रामबाग स्वर्गाश्रम के विकास में अपनी तथा समाज के विभिन्न वर्गो के द्वारा निस्वार्थ सहयोग प्रदान करने की बात कही।

कार्यक्रम में समाजसेवी एवं भारत सेवा संस्थान के चिकित्सा प्रभारी श्री नरपतसिंह कच्छवाह सहित 24 समाजसेवियों, मारवाड़ के सैकण्डरी, सीनियर सैकण्डरी, स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर के 750 विद्यार्थियों, तथा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान सीनियर की मेरिट में दूसरे स्थान पर रही झुंझुनूं की सुश्री सानिया सैनी आदि को सम्मानित किया गया। साथ ही 617 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

इजराइल में नियुक्त भारत के उप उच्चायुक्त श्री राजेश परिहार ने बताया जोधपुर इजराइल में विकसित की गई गाय की नस्ल एक दिन में 40 लीटर दूध देने में सक्षम है। अब यही चिकित्सकीय तकनीक भारत में भी आ रही है। वहां की दूध की एक डेयरी के साथ इस आशय का समझौता किया गया है। अब भारत के किसान और पशुपालक भी यह तकनीक सीखेगे। उन्होंने बताया कि भारत के लोग भी यह तकनीक सीख लेगे तो हम भारतीय भी बहुत समृद्ध होंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ इजराइल पहुंचे दल ने इजराइल की तकनीक का अध्ययन किया है। परिहार ने बताया कि भारत और इजराइल के बीच खेती के हवाले से समानता का रिश्ता है, लेकिन भारत आज भी खेती की पुरातन तकनीक पर चल रहा है और इजराइल में उन्नत तकनीक इस्तेमाल की जा रही हैं।

इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने समाज के विकास एवं समाजिक सरोकार की बात की। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से हजारों की संख्या में लोग की उपस्थिति रही।

रामस्नेही संत श्री रामप्रसाद जी महाराज के कर कमलों से मारवाड़ नरनारायण सेवा संस्थान, जैतारण का शुभारम्भ

16सितम्बर,2013(सोमवार)जैतारण। सूरसागर, बड़ारामद्वारा के रामस्नेही संत श्री रामप्रसाद जी महाराज के कर कमलो से जैतारण (जिला-पाली) में नव स्थापित ''मारवाड़ नरनारायण सेवा संस्थान का शुभारम्भ किया गया। इससे पूर्व प्रात: लगभग 8.30 बजेप्रथम बार जैतारण पधारने पर सभी संतो सहित महाराज श्री का तिलक-माल्यार्पण द्वारा स्वागत किया गया। जैतारण में नवस्थापित ''मारवाड़ नरनारायण सेवा संस्थान'' के कार्यक्रम के अनुसार राजकीय चिकित्सालय के सामने स्थित रामद्वारा में महाराज श्री के स्वागत, भजन मण्डली के भजन-कीर्तन के साथ शोभायात्रा निकाली गयी । 51 कन्याओं की कलश यात्रा के साथ यह शोभायात्रा रामद्वारामें गोशाला, मुख्य बाजार, शिवचौकी, पुलिस थाना, बस स्टेण्ड होते हुए राघव भवन पहुँची। रास्ते में स्थान स्थान पर माल्यार्पण एवं तिलक पूजा अर्चना के साथ महाराज श्री का भव्य स्वागत किया गया । यह शोभा यात्रा राघव भवन, बस स्टेण्ड (जैतारण) पहुँच कर सम्पन्न हुई।

महाराज श्री की शोभायात्रा के तुरंत पश्चात् बाईपास रोड स्थित नेत्र चिकित्सालय पहुँ चे। वहाँ आपने कर्मयोगी एवं भगवद् गीता के उपदेष्टा श्री कृष्ण भगवान के चित्र की पूजा-अर्चना कर '' मारवाड़ नरनारायण सेवा संस्थान'' का शुभारम्भ किया। बाद में आपने '' मारवाड़ नरनारायण सेवा संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया तथा अस्पताल संचालकों के साथ नेत्र चिकित्सालय में भ्रमण कर चिकित्सा व्यवस्था को भी देखा। यहां उपस्थित जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए आपने कहा कि मनुष्य ईश्वर की सर्वोत्कृष्ट रचना है। मनुष्य की सेवा ही परमपिता परमात्मा की सेवा है।

बाद में महाराज श्री बस स्टेण्ड स्थित राघव भवन पहुँचे। यहाँ फिर महाराज श्री रामप्रसाद जी तथा उनके साथ आये संतों को शॉल ओढाकर तथा माल्यार्पण कर स्वागत सत्कार किया गया । यहाँ उपस्थित श्रद्धालु हरिभक्तों ने भी महाराज श्री का स्वागत अभिनंदन कर आपका आर्शीवाद प्राप्त किया । तत्पश्चात् सेवा संस्थान के अध्यक्षश्री किशन लाल सांखला ने जैतारण में सेवा संस्थान की स्थापना तथा इसके उद्देश्यों को स्पष्ट करने के साथ ही सेवा की भावी योजना भी प्रस्तुत की। आपने बताया कि महाराज श्री के सत्संग - प्रवचनो को सुनकर सेवा संस्थान की स्थापना की अनुमतिली तथा इसके प्रमुख संरक्षक बनने का अनुरोध भी किया। महाराज श्री ने सहर्ष अनुमति प्रदान की। सेवा कार्यों में पूरा सहयोग करने का आश्वासन भी दिया। आज यह योजना महाराज श्री के करकमलों से साकार स्वरूप ग्रहण कर रही है। श्री साँखला ने इस अवसर पर ईश्वर से प्रार्थना भी की वह हमें बल-बुद्धि प्रदान करें ताकि हम ईमानदारी के साथ सेवा संस्थान के माध्यम से समाजसेवा के कार्य कर सकें। इस अवसर पर श्री धर्मेश जाँगिड़, एडवोकेट, श्री मोहनलाल टाक JEN तथा श्री सोहनलाल व्यास (पूर्व प्रधानचार्य) ने भी सेवा संस्थान की आजीवन सदस्यता ग्रहण करने की घोषणा की जिसका वहाँ उपस्थित श्रद्धालु समुदाय ने भारी करतल ध्वनि से स्वागत किया।

बाद में महाराज श्री रामप्रसाद जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया। आपने कहा कि मुहँ से भगवान का नाम तथा हाथ से प्राणी मात्र की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। नाम संकीर्तन तथा जीवदया व प्राणीमात्र की सेवा सब धर्मों, शास्त्रों , उपनिषदों तथा वेदो का सार है। विशेष रूप से गृहस्थ जीवन में अपना कर्तव्य निर्वाह करते हुए मनुष्यों को यथा संभव सेवा कार्य भी करना चाहिए। काम से फुरसत नहीं मिले वो ऐसे सेवा संस्थानों के माध्यम सेही सेवा कार्य कर सकते है आपने संस्थान के उज्ज्वल की शुभकामनां की। आपने सेवा संस्थान से जुड़े हुए तथा भविष्य में जुड़कर सहयोग करने वाले सभी सेवा भावी व्यक्तियों की भी सराहना की तथा आशीर्वाद प्रदान किया।

इसके साथ ही महाराज श्री के दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र सम्पन्न हुआ। उद्घाटन सत्र के अंत में शोभा यात्रा में कलश धारण करने वाली सभी कन्याओं को उपहार के साथ श्रीफल व प्रसाद वितरण किया गया। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को वैष्णव मिष्ठान भण्डार की तरफ से प्रसाद-वितरण किया गया।

सायंकालीन सत्र मे सत्संग – प्रवचन

जैतारण में महाराज के दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन सांयकालीन सत्र में भजन-कीर्तन के साथ सत्संग प्रवचन हुआ। महाराज के साथ पधारे संतों ने अपनी समधुर वाणी में भजन-पदों का प्रस्तुकरण कर वातावरण को भक्तिसे ओतप्रोत कर दिया। उपस्थित श्रद्धालु समुदाय ने भी भजन-कीर्तन में साथ देकर स्वयं को कुछ समय के लिए ''दिव्य लोक '' में दिव्य आनंद की अनुभूति करते हुए पाया। इन अलौकिक क्षणों का शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता।

शिविर समापन 17 सितम्बर2013 (मंगलवार) को

17 सित.13 जैतारण(पाली) मारवाड़ नरनारायण सेवा संस्थान'' द्वारा आयोजित दो दिवसीय नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर में सैकड़ो रोगी लाभान्वित हुए। अधिकांश बाह्य रोगियों की जाँच कर परामर्श, उपचार व दवाओं से लाभान्वित किया गया। 21 अंत: रोगी लैंस प्रत्यारोपण तथा दवाइयों से लाभान्वित किये गये। मारवाड़नरनारायण सेवा संस्थान की और से लैंस प्रत्यारोपण योग्य सभी रोगियों के लिए तथा उनके साथ वालें एक सहायक के लिए नि:शुल्क भोजन तथा आवास की व्यवस्था भी की गयी। दूसरे दिन सभी अन्त: रोगियों को नि:शुल्क दवाइयाँ वितरित कर छुट्टी दी गयी।

इस प्रकार जैतारण में नव स्थापित''मारवाड़ नरनारायण सेवा संस्थान'' द्वारा सेवा कार्य की सुखद शुरूआत की गई।

जोधपुर भवन हरिद्वार की आमसभा एवं सम्मान समारोह संपन्न

जोधपुर। अखिल भारतीय माली समाज संस्थान, जोधपुर भवन धर्मशाला हरिद्वार की साधारण सभा महामंदिर स्थित भाटी मेमोरियल हाल में आयोजित की गई।

संस्थान के मंत्री श्री किशोर सिंह सांखला ने वर्ष 2013 -14 के लिए 114.35 लाख रूपये का बजट पेश कर उपस्थित सदस्यों की अनुमति से पारित कर अनुमोदन करवाया। इस अवसर पर माली संस्थान के अध्यक्ष श्री देवीचंद देवड़ा मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित थे। समारोह के विशिष्ठ अतिथी पूर्व मंत्री श्री राजेन्द्र गहलोत, पूर्व महापौर डॉ. ओमकुमारी गहलोत थी।

श्री किशोर सिह सांखला ने संस्थान के विकास में प्रमुख रूप से किये गये कार्यो के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान द्वारा हरिद्वार में जोधपुर भवन 1 में 16 सीसी कैमरे तथा कमरों में टाईल्स लगवाई गई है तथा साथ ही जोधपुर भवन 2 में 13 सीसी कैमरे तथा 33 कमरों में एलसीडी लगवाई गई है इसके साथ ही 16 कमरों में एसी लगवाए गये है। इस कार्यकाल में संस्थान के करीब 117 आजीवन सदस्य बनें है। जिसमें प्रमुख दानदाता श्री मुन्नीलाल देवड़ा ने 6,71,000 रूपये संस्थान को दिये है। इसके अलावा भी अनेक सदस्यों ने 51,000 रूपये से लेकर 3,21,000 रूपये तक का दान देकर सदस्यता ग्रहण की है।

कार्यक्रम में समाज की 17 दानदाताओं के साथ ही समाज की विभिन्न संस्थाओं में निर्विघन चुनाव संपन्न करवाने पर चुनाव अधिकारी श्री राजेन्द्र भाटी एवं उनके सहयोगियों को भी स्मृति चिन्ह, साफा एवं अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इंजिनियरिंग गिल्ड के उपाध्यक्ष श्री अचलसिंह गहलोत ने जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि संस्था वर्ष 1983 से इंजिनियरिंग में प्रवेश करने वाले छात्रों को हर संभव सहायता प्रदान करने हेतु रातानाड़ा स्थित सेठ भीकमदास परिहार छात्रावास में दानदाताओं के सहयोग से करीब 17 कमरों को निर्माण करवाया है तथा साथ ही विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु पुस्तकालय भी बनाया गया है। श्री गहलोत ने बताया कि छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए दानदाता द्वारा रामसागर चौराहे पर संस्थान को भूमि उपलब्ध करवाई गई है। जिस पर अतिशीघ्र सभी के सहयोग से भवन बनाकर छात्रों को सुविधाएं प्रदान की जायेगी। इस हेतु श्री गहलोत ने सभी से सहयोग की अपील भी की। समारोह को संबोधित करते हुए माली संस्थान के अध्यक्ष श्री देवीचंद देवड़ा ने समाज के दानदाताओं का आभार प्रकट करते हुए संस्थान द्वारा हरिद्वार में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की मुक्तकंठ से सराहना की तथा सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों विशेषकर युवाओं द्वारा किये जा रहे विकास के कार्यो के लिए उनको हार्दिक बधाई प्रेषित की तथा अपनी और से हर संभव मदद प्रदान करने का वादा किया।

श्री राजेन्द्र गहलोत ने संस्थान के विकास कार्यो की भूरी भूरी प्रंशसा करते हुए कहा कि संस्थान का कार्य सकारात्मक सोच एवं सभी को साथ लेकर किया जाता है तभी विकास संभव है हमारी समाज की विभिन्न संस्थाए इस कार्य को बखूबी अंजाम दे रही है। उन्होंने दानदताओं का बहुमान किया तथा माली समाज के उत्तरोत्तर प्रगति की बात कही। समारोह में संस्थान के मंत्री श्री किशोर सिंह सांखला ने बताया कि हाल ही में उतराखण्ड त्रासदी में समाज के यशस्वी मुख्यमंत्री ने राजस्थान के श्रद्वालुओं की सहायता हेतु जोधपुर भवन 2 में राजस्थान सरकार का कैंप लगाया जिसका अवलोकन स्वयं मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने वहां तीन दिन रहकर किया। उनके तथा उनके द्वारा नियुक्त सरकारी अधिकारियों ने इस मानव हितार्थ किए गए कार्यो के लिए संस्थान के अध्यक्ष श्री बाबूलाल पंवार तथा समस्त पदाधिकारियों को सहयोग के लिए आभार प्रकट किया गया था। स्वयं मुख्यमंत्री श्री अशोकगहलोत ने आभार पत्र भेजकर संस्थान के पदाधिकारियों को मानवता के लिए किये गए उनके सफल प्रयासों के लिए आभार प्रकट किया था।

इस कार्यक्रम में अध्यक्ष श्री बाबूलाल पंवार ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया तथा दानदाताओं का बहुमान किया। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष श्री जेठूसिंह कच्छवाहा, उपमंत्री श्री सुरेन्द्र सांखला, कोषाध्यक्ष श्री प्रेमसिंह देवड़ा सहित संस्थान के ट्रस्टीयों के अलावा समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने समारोह में उपस्थित हो कर इस आयोजन को सफल बनाया। अंत में अध्यक्ष श्री बाबूलाल पंवार द्वारा सभी का आभार प्रकट किया गया।

अर्जुन अवार्ड प्राप्त होने पर राजकुमारी डोडिया का समाज द्वारा नागरिक अभिनंदन

उज्जैन। श्री गुजराती रामी माली समाज उज्जैन द्वारा रामी माली शाखा की बेटी ग्राम हरसौला महू में जन्मी एवं नौगांव धार में ब्याही श्रीमती राजकुमारी राठौर को विगत दिनों अर्जुन अवार्ड सर्वोच्च खेल अलंकरण निशानेबाजी में प्राप्त होने पर स्थानीय मालीपुरा चौराहे पर रिमझिम फुहारों की बीच नागरिक अभिनंदन किया गया। उल्लेखनीय है कि 31 अगस्त 2013 की शाम दिल्ली राष्ट्रपति भवन के अशोक हाल में देश क महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा सर्वोच्च खेल अलंकरण अर्जुन अवार्ड निशानेबाजी में प्रदान किया गया। सुश्री राठौर को प्रशस्तिपत्र, शील्ड, श्रीफल व 5लाख रू. चेक महामंहिम द्वारा प्रदान किया गया। जैसे ही यह समाचार समाज को मालूम पड़ा, हर्ष की लहर दौड गई एवं समाज के प्रमुख लोगों ने निर्णय लिया कि समाज की बेटी का श्शाही तरीके से अभिनंदन किया जावे और कार्यक्रम तय करने हेतु बैठकों का दौरा शुरू हुआ। समितियों का गठन किया गया जिसमें महिला समिति, युवा समिति व वित्त समिति, कार्यक्रम संयोजन समिति बनाई गई तथा अभिनंदन कार्यक्रम संपन्न हुआ जोकि ऐतिहासिक रहा। कार्यक्रम दिवस पर प्रात:कालीन समय पर विवेकानंद सार्धशती दिवस के उपलक्ष्य में भारत जागो दौड़ का आयोजन में सुश्री राठौर सम्मिलित होकर शासकीय कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। समाज द्वारा तय कार्यक्रम में अपरान्ह तीन बजे ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के अभिषेक के पश्चात् वहन रैली शहर के प्रमुख मार्ग से निकाली गई जो महाकलेश्वर से गुदरी, पटीन बाजार, गोपालमंदिर, कंठाल, नईसड़क, फव्वाराचौक होते हुए कार्यक्रम स्थल मालीपुरा पहुंची। अभिनंदन कार्य की शुरूआत समाज बाहुल्य क्षेत्र मालीपुरा में बड़ा मंच बनाया गया था जोकि भव्यता लिए हुए फूलों से सजाया गया था। सामने हजारों की संख्या में कुर्सिया लगाई गई थी जो महिला एवं पुरूषों के लिए अलग-अलग थी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री राजकुमार राठौर थी, अध्यक्षता की उज्जैन समाज अध्यक्ष श्री हरिनारायण परमान ने, कार्यक्रम सूत्रधार श्री सत्यनारायण चौहान, अतिथियों में री यादवलाल चौहान, प्रांतीय अध्यक्ष श्री लीलाधर आढतीया, अध्यक्ष माली समाज उज्जैन, श्रीमती गीता रामी, पूर्व पार्षद उज्जैन, श्री शिवनारायण जागीरदार, संरक्षक, श्री रामप्रसाद जी परमार, खेल प्रशिक्षक श्री पुरूषोत्तम पटेल, समाज वरिष्ठ समाजसेवी, श्री कुँवर जी माडसा, वरिष्ठ समाजसेवी, श्री कुँवर जी माडसा, वरिष्ठ समाजसेवी श्री मांगीलाल मामा, पूर्व समाज अध्यक्ष, श्रीमती मंजू हारोड़, श्रीमती हेमा बने, महिला समिति प्रमुख, श्री सत्यनारायण परमार, सरपंच ग्राम हरसौला, श्री प्रकाश गौड़ सरपंच ग्राम अमला थे। साथ ही राजकुमारी राठौर के माता-पिता श्री एवं श्रीमती मोहनलाल डोडिया, पति श्री दीपक राठौर एवं सांसु मां मंचासीन थे। अतिथियों द्वारा सरस्वती माता एवं फुले दंपत्ति के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। सरस्वती वंदना प्रस्तुत की श्रीमती दीपा चौहान एवं योगिता रामी ने। अतिथियों का स्वागत भाशण एवं परिचय दिया संयोजक श्री अनिल बारोड़ ने। कार्यक्रम की संपूर्ण जानकारी दी सूत्रधार श्री सत्यनारायण चौहान।

सम्मान पत्र, शाल, मोमेंटो देकर राजकुमारी का नागरिक अभिनंदन किया गया। अतिथियों का साफा बॉधकर सम्मान किया गया पश्चात् अतिथि उद्बोधन हुआ जिसे श्री सत्यनारायण चौहान, श्री यादवलाल चौहान, श्री शैलेंद्र व्यास, श्रीमती राजकुमारी राठौश्र ने संबोधित किया। पश्चात् श्री यादवलाल चौहान का वर्ष 2012 का रामजी महाजन पुरस्कार प्राप्त होने पर, श्री लीलाधर आढतीया का 2011 रामजी महाजन पुरस्कार प्राप्त होने पर एवं श्रीमती गीतारामी का वर्ष 2009 रामजी महाजन पुरस्कार प्राप्त होने पर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम का व्यवस्थित संचालन समाज के प्रांतीय सचिव श्री गजानंद रामी ने किया। आभार सूत्रधार श्री सत्यनारायण चौहान ने माना। इस अभिनंदन कार्यक्रम में मजेदार बात यह रही कि संपूर्ण कार्यक्रम सुबह से लेकर कार्यक्रम पूर्ण होने तक रिमझिम फुहार चलती रही एवं हजारों की संख्या में समाज के महिला पुरूश व युवा लोग भीगते हुए कार्यक्रम में मौजूद रहे। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम अपनी सुनहरी यादें छोड गया।

सैनी मेडिकल एसोसियेशन का वार्षिक उत्सव

सैनी मेडिकल ऐसोसियेशन का उत्सव 2013 के रूप में मनाया गया। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं एसोसियेशन के डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। जिसमें जवाहरलाल यूनिवर्सिटी के मेडिकल छात्र एवं अजमेर व मारवाड़ के डाक्टरों ने भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं डाक्टरों को सम्मान पत्र दिया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि ऊंकारराम कच्छवाह (अ.भा. माली समाज पुष्कर) व अध्यक्ष भागचन्द पंवार पूर्व निर्देशन आकाशवाणी ने की व विशिष्ठ अतिथि कैलाश चौहान अजमेर ने की व राजेन्द्र जी भाटी जैतारण ने भी अपने विचार व्यक्त किये। श्री कच्छवाह ने बताया कि गरीबों की सेवा के साथ साथ समाज के लोगों की सेवा करे व भविष्य में प्रतिवर्ष इस प्रकार के समारोह का आयोजन कर व अन्य इंजीनियरिंग कर रहे छात्रों व अन्य कर्मचारी अधिकारियों को भी शामिल करें।

श्री गुजराती रामी माली समाज के चुनाव सम्पन्न श्री चौहान अध्यक्ष बने

उज्जैन। समाज के लिए 4 अगस्त 2013 रविवार को दिन ऐतिहासिक रहेगा क्योंकि विधिवत प्रजातांत्रिक तरीके से चुनाव सम्पन्न हुवे और श्री यादवलाल चौहान भारी बहुमतों से निर्वाचित घोषित किये गये। 9 जून 13 को सम्पन्न की साधारण सभा की बैठक के पश्चात ही चुनाव कार्यक्रम घोषित हो चुका था फार्म जमा करने की तारीख 15.07.13 आखिरी थी। ज्ञात हो प्रांतीय अध्यक्ष हेतु ओर निर्माण समिति अध्यक्ष हेतु चुनाव होना थे। प्रांतीय अध्यक्ष हेतु समाज का कोई भी व्यक्ति अध्यक्ष पद के लिए खड़ा हो सकता था और निर्माण अध्यक्ष हेतु जो एक-एक हजार रू. के या उससे अधिक के सदस्य है उनमें से अध्यक्ष पद के लिए खड़े हो सकते थे फार्म उठाने की अंतिम तिथि 25.07.13 थी एवं जमानत राशि 2100/- रू. रखी गई थी।

चुनाव कार्य सम्पन्न कराने हेतु श्री रघुनाथ जी माड सा. को निर्वाचन अधिकारी घोषित किया गया था। एवं श्री रघुनाथजीने अपने सहयोग के लिए पांच सहायक निर्वाचन अधिकारी बनाए थे जिनमें श्री विद्याशंकर जाधव, श्री प्रेमनारायण परमार (छोटू सर), श्री पुनमचंद पटेल, श्री गेंदालाल टांकोलिया एवं श्री सी.एल.वर्मा थे। प्रदेश अध्यक्ष पद हेतु दि. 15 जुलाई तक तीन आवेदन प्राप्त हुये श्री यादवलाल चौहान, श्री विनोद मकवाना, एवं श्री कैलाशचंद्र वाघेला। निर्माण अध्यक्ष हेतु दो आवेदन प्राप्त हुये श्री गोपाल बारोड़ एवं श्री गिरधारीलाल परमार। फार्म उठाने की तारीख 25 जुलाई तक अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों में श्री कैलाशचंद वाघेला ने अपना फार्म उठा लिया जिससे दो उम्मीदवार मैदान में रहे एवं निर्माण अध्यक्ष के लिए अंतिम समय में श्री गिरधारीलाल परमार ने अपना फार्म उठाया परिणाम स्वरूप श्री गोपाल बारोड़ निर्विरोध समाज के निर्माण समिति अध्यक्ष चुन लिये गये। अब प्रांतीय अध्यक्ष हेतु दो नाम थे पहला वर्तमान अध्यक्ष श्री यादवलाल चौहान एंव दूसरा पूर्व अध्यक्ष श्री विनोद मकवाना का। दि. 04.08.13 रविवार की सुबह से ही नृसिंह घाट पर गहमा-गहमी का वातावरण था। अलग-अलग क्षेत्र के अध्यक्षें एवं पटेलगण अपनी-अपनी कार्यकारिणी के साथ चुनाव में भाग लेने हेतु धर्मशाला पहुंचाना प्रारंभ हो चुका था ठीक 12.00 बजे पश्चात कार्यक्रम संचालक श्री गजानंद रामी ने मार्डक संभाला और कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु सभी से निवेदन किया कार्यक्रम शुरू हुआ अतिथियों में मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री रघुनाथ जाधव एवं उनके सहायक अधिकारी सर्वश्री पुनमचंद पटेल, प्रेमनारायण परमार, श्री एल. वर्मा, गेंदालाल टांकोलिया, विद्याशंकर जाधव के साथ ही वरिष्ठजन श्री मोहनलाल चावड़ा, श्री भेरूलाल मकवाना, श्री कमलकिशोर वर्मा (एड.), श्री मोहनलाल मकवाना, श्री लीलाधर आढ़तीया के साथ ही दोनों उम्मीदवार श्री यादवलाल चौहान व श्री विनोद मकवाना एवं श्री कैलाश वाघेला, श्री बद्रीप्रसाद मोहरी थें।

शुरूआत भगवान राम दरबार, महात्मा फुले, सावित्रीदेवी

फुले के चित्र पर माल्यार्पण, द्वीप प्रज्वल किया जाकर श्री राम स्तुति का गायन हुआ। कार्यक्रम की रूपरेखा गजानंद रामी ने रखते हुए श्री रघुनाथ जी जाधव को चुनाव संचालन हेतु आमंत्रित किया। श्री जाधव ने बारी-बारी से दोनों उम्मीदवारों को अपना पक्ष रखने के लिए माईक पर बुलाया और दौनो उम्मीदवारों ने अपना-अपना पक्ष रखा। पश्चात पौन घंटे का समय दोनों उम्मीदवारों का जनसमर्थन पाने को दिया गया। इस बीच कुछ वरिष्ठजनों ने चुनाव निर्विरोध किये जाने का प्रयास किया परन्तु उनके इस प्रयास में सफलता नहीं मिली और अंत: चुनाव अधिकारी ने व्यवस्था दी कि चुनाव प्रारंभ किये जाते है और चुनाव प्रारंभ हुये। सहायक निर्वाचन अधिकारीगण सहित दोनों उम्मीदवार व वरिष्ठजन जो चुनाव के लिए बुथ बनाए-बनाए गये थे अपनी-अपनी जगह सम्हाल ली एवं समाज अध्यक्षों ने वोटिंग की। ज्ञात हो,समाज के पूरे प्रदेश में 90 लगभग गांव/शहर है जिसमें से कुल 75 अध्यक्षों ने वोट डाले। जिसमें 66 वोट श्री यादवलाल चौहान को, 8 वोट श्री विनोद मकवाना को व 1 वोट निरस्त हुआ। इस प्रकार की यादवलाल चौहान पुन: श्री गुजराती रामी माली मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष चुने गये। परिणाम आते ही सभी लोग खुशी से झुम उठे एवं श्री चौहान व बारोड़ का साफे व फुलमालाओं से लाद दिया। श्री चौहान ने वादा किया कि आने वाले समय में समाज को आगे बढ़ाने में विकसित करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी जायेगी। कार्यक्रम का संचालन गजानंद रामी ने व आभार श्री गिरधारीलाल परमार ने माना। इस अवसर पर एक हजार लगभग समाजजन मौजूद थे।

सैनी विकास संस्थान पुस्तक विमोचन समारोह

मदनगजं-किशनगढ़- अजमेर। इस समारोह में प्रतिभावान छात्र व छात्राओं को पुरस्कृत किया गया एवं सामूहिक विवाह समिति के प्रबंध कार्यकारिणी का सम्मान किया गया। जो सामूहिक विवाह का कार्य करते है। समारोह के मुख्य अतिथि ऊंकाराम कच्छवाह (अध्यक्ष अखिल भारतीय माली समाज) समाज में व्याप्त कुरीतियां समाप्त करने के लिए व सरकार द्वारा चलाई जा रही गरीबों के लिए योजनाओं का प्रचार प्रसार समाज में करने तथा विधवा विकलांग छात्र छात्राओं को प्रोत्साहित करने व अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी। आपने अशोक गहलोत का हाथ मजबूत करने का भी आव्हान किया।

इस समारोह में श्री ताराचन्द गहलोत श्री बाबुलाल दग्दी, व श्री किशनसिंह गहलोत, श्री रूपचंदजी मारोठिया पुष्कर एवं सैनी विकास संस्थान के अनेक व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये। श्री भंवरलाल मालाकार पूर्व आबकारी आयुक्त ने अपने विचार व्यक्त किये।

माली (सैनी) समाज वर्त्तुर बेंगलोर पूर्व के तत्वावधान में नवरात्री के समापन अवसर पर आयोजित विशाल भजन सन्ध्या में सुप्रसीद्ध भजन सम्राट रमेश माली पाली ने भजनों की गंगा बहाई, चौसठ जोगणी ओ देवी रे देवलीये राम जाव''
आरती किजे लिखमीदास महाराज की''
''हारे बजरंग बाको, लंका नगरी बज गयो हाथो''

''चौसठ जोगणी रे देवी रे देवली में रस जाव''

'' मंगल भवन अमंगल हारी, राम सियाराम, सियाराम जय जय राम जैसे भजनों पर उपस्थित श्रोताओ को भक्ति रस से भाव विभोर कर दिया, नृत्य कलाकार आसाराम माली ने भगवान बजरंग बली, भैरूजी, महाराज का रूप धारण करके नृत्य पेश किया।

धोमसन्द्रा होठली स्थित समाज भवन में आयोजित इस पावन कार्यक्रम में संत रामप्रसाद महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ, कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्वप्रथम मां जगदम्बे लिखमीदास महाराज, भगवान श्रीकृष्ण एवं अन्य देवी देवताओं की पूजा अर्चना एवं आरती की गई, तत्पश्चात् महाप्रसादी का आयोजन किया जिसमे समाज बन्धुओं ने सपरिवार महाप्रसादी ग्रहण की।

माली (सैनी) समान वर्त्तुर बेंगलोर पूर्व के अध्यक्ष हापुराम चौहान, मंत्री देवाराम कच्छवाह ने अतिथियों का स्वागत किया, इस अवसर पर चढ़ावो की बोलीयो का आयोजन किया गया, अतिथियों एवं चढ़ावो के लाभार्थीयो का अभिनन्दन समान द्वारा किया गया।

इनका हुआ अभिनन्दन:- माली (सैनी) समाज कर्नाटक बेंगलोर अध्यक्ष भंवरलाल तंवर, माली समाज (जेएसबी) के अध्यक्ष टिकमचन्द परमार, मंत्री-वरदीचंद देवड़ा, सहमंत्री-तलाराम सोलंकी संगठन मंत्री- दुदाराम सोलंकी, सलाहकार-लालाराम गहलोत, माली (सैनी) समाज ब नशंकरी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष कानाराम पालडी, कोषाध्यक्ष-रामेश्वरलाल चौहान, सह कोषाध्यक्ष- बालुराम पंवार, सहमंत्री- रामेश्वरलाल सोलंकी, सलाहकार-लक्ष्मण बागडी, माली (सैनी) समाज बेंगलोर दक्षिण बेगूर रोड के अध्यक्ष भागीरी पंवार, प्रकाशचन्द्र, माली (सैनी) समाज 31 खेडा बेंगलोर के अध्यक्ष ओमप्रकाश बागवान, उपाध्यक्ष-प्रकाशचन्द, संपतराज भाटी गणपतलाल बागवान, माली (सैनी) युवा संगठन बेंगलोर के अध्यक्ष उत्तम पंवार, उपाध्यक्ष महेन्द्र बागड़ी, सरंक्षक-अमीत बागडी सलाहकार- प्रकाश परमार, कोषाध्यक्ष- भुपेन्द्र बागडी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महादेवपुरा विधायक अरविन्द लिम्बावली उपस्थित रहे। माली (सैनी) समाज कर्त्तुर बेंगलोर पूर्व के सभापती गुमनाराम चौहान, उपाध्यक्ष-रूपाराम भाटी, सह सचिव- मुकेश सोलंकी, कोषाध्यक्ष-बाबुलाल चौहान, उप कोषाध्यक्ष-पुसाराम भाटी, मंत्री-सोहनलाल चौहान, उप मंत्री- बाबुलाल महावर, व्यवस्था मंत्री- जुगराज भाटी, उप व्यवस्थान मंत्री- छोटुलला भाटी उपस्थित रहे।

अलका सैनी की 'लाक्षागृह' लॉन्च

चंडीगढ़, 5 अगस्त (स.ह.) परिकल्पा समूह की ओरसे राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ब्लॉगर सम्मेलन में चंडीगढ़ की लेखिका अलका सैनी की पुस्तक 'लाक्षगृह' का विमोचन किया गया। इस मौके पर देश-विदेश के सैंकड़ों विख्यात साहित्यकार उपस्थित थे। उन्हें इस दौरान अपने ब्लॉग 'अलका सैनी की कहानियों' क लिए वर्ष-2011 के विशेष ब्लॉगर प्रतिभा के लिए तस्लीम- परिकल्पना पुरस्कार से नवाजा गया। पहले उन्हें वीरांगना सावित्री बाई फुले और सृजन- श्री से सम्मानिक किया जा चुका है। इस दौरान साहित्य से जुड़े देश-विदेश के अहम हस्ताक्षर शैलेंद्र सागर संपादक, कथाक्रम लखनऊ, वरिष्ठ साहित्कार उद्भात, वरिष्ठ पत्रकार के.विक्रमराव, टोरंटो के समीर लाल समीर, स्वतंत्र पत्रकार शिक्षा वाघ्नेर्य, वरिष्ठ ब्लॉगर राजेश कुमार, वरिष्ठ पत्रकार डॉ सुभाष राय, संपादक-अभिव्यक्ति पूर्णिमा वर्मन, वरिष्ठ ब्लॉगर (भोपाल) रवि रतलामी, लंदन से बाबूशा कोहली, वरिष्ठ कवियात्री डॉ. रमा द्विवेदी, बनारास से वरिष्ठ कवियत्री डॉ. अरविंद मिश्र, महाराष्ट्र से प्राचार्य डॉ. अनीता मन्ना, कल्याण (महाराष्ट्र) के के.एम. अग्रवाल कालेल के हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष मिश्र, गोवा से वरिष्ठ गजलकार इस्मत जईदी, इलाहाबाद के डाकसेवा के निदेशक श्रीकृष्ण कुमार यादव, रायपुर से वरिष्ठ व्यंगकार गिरिश पंकज, उतराखंड से शेफाली पांडे, राय बरेली से संतोष त्रिवेदी, लखनऊ से वरिष्ठ आलोचक वीरेंन्द्र यादव, वरिष्ठ साहित्कार श्री मुद्रा राक्षस, वरिष्ठ साहित्यकार श्री मुद्रा राक्षस, वरिष्ठ कथाकार शिवमूर्मि, प्रगतिशील लेखेक संघ शकील लिए की उपस्थित थे। इस आयोजन में तीन सत्रों में न्यू मीडिया की भाषाई चुनौतियां 'न्यू मीडिया के सामाजिक सरोकार' तथा 'न्यू मीडिया 'दशा-दिशा और दृष्टि' पर भी गंभीर आलोचना हुई। वक्ताओं ने कहा कि इंटरनैट एक ऐसी तकनीक है जो व्यक्ति को अभिव्यक्ति का जबदस्त साधन उपलब्ध कराती है। यह लोग में सकारात्मक भावना का विकास करती हैं दुनिया के कोने-काने में बैठे लोगों को एक दूसरे से जोड़ने को अवसर उपलब्ध कराती है। और सामालिक समस्याओं कुरीतियों के विरूद्ध जागरूक करने का जरिया भी बनती हैं। लेकिन इसके साथ ही साथ जब यह अभिव्यक्ति के विस्फोट के रूप में सामने आती है, तो उसके कुछ नकारात्मक परिणाम मिलते है। ये परिणाम हमें दंगों और पलायन के रूप में झेलने पड़ते हैं। यही कारण है कि जब तक यह सकारात्मक रूप में उपयोग में लाया जाता है, तो समाज के लिए अलादीन के चिराग की तरह काम करता है। इस अवसर पर 200 से अधिक ब्लॉगर, लेखक, संस्कृतिकर्मी और विज्ञान संचारक भी उपस्थित रहे।

श्री बड़ा रामद्वारा सूरसागर के रामस्नेही संतश्री रामप्रसादजी महाराज द्वारा विशाल श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन

श्री बड़ा रामद्वारा सूरसागर के रामप्रसादजी महाराज के सानिध्य में श्रीमान् खिवसिंहजी परिहार के सेवानिवृति के उपलक्ष में दिनांक 30 सितम्बर 2013 से भागवतथा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। दिनांक 1 अक्टूबर 2013 को भागवत महाकाव्य, श्री शुक्र चरित्र, परीक्षित चरित्र। दिनांक 2 अक्टूबर 2013 को वराह अवतार, कपीलोपदेश सती चरित्र ध्रुव चरित्र पूरंजनों पांख्यान। दिनांक 3 अक्टूबर 2013 को जंडभरत चरित्र अजामिलोपख्याल, प्रहलाद चरित्र श्री नृसिंह अवतार। दिनांक 4 अक्टूबर 2013 को गजेन्द्र मोक्ष, समुन्दर मंथन, वामनअवतार, श्री रामावतार, श्री कृष्ण जन्मोत्सव। दिनांक 5 अक्टूबर 2013 को नंदोत्सव श्री कृष्ण बाल लीला, ऊखल बंधन, गिरीराज धरण, लीला कंसवध। दिनांक 6 अक्टूबर 2013 को उद्धव चरित्र, रूकमणी विवाह सुदामा चरित्र। दिनांक 7 अक्टूबर 2013 को अवधुतोयाख्यान परीक्षित मोक्ष, व्यास पूजन पूर्ण आरती का आयोजन किया गया। इसी दिन दिनांक 7 अक्टूबर 2013 को महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

संत श्री ने अपनी वाणी से बताया कि श्रीमद् भागवतकथा अत्यंत गोपनीय रहस्यात्मक पुराण है। यह भगवत स्वरूप का अनुभव कराने वाला और समस्त वेदों का सार है। संसार में फंसे हुए जो लोग इस अंधकार से बाहर जाना चाहते है, उनके लिए आध्यात्मिक तत्वों को प्रकाशित करने वाला यह एक अद्वितीय दीपक हैं वास्तव में उन्हीं पर करूणा करके बड़े मुनियों के आचार्य श्री सुखदेवजी ने इसका वर्णन किया है।

इस आयोजन में मारवाड़ के सुविख्यात रामस्नेही संत रामप्रसादजी महाराज के ओजस्वी व सुमधुर वाणी से संगीतमय श्रीमद् भागवतकथामृत को सुनने हजारों की संख्या में श्रद्धालु आये। इस अवसर पर रामस्नेही परमहंस संत श्री 108 श्री मोहनदासजी महाराज सहित अनेक संत महात्माओं का सत्संग व दर्शन लाभ लोगों ने प्राप्त किया।

समारोह का आयोजन खिवसिंहजी परिहार के सेवानिवृति समारोह के उपलक्ष में मगरा पूंजला रावला बेरा में आयोजित किया गया था।

परिचय

समाज एवं खेलों के प्रति समर्पित

स्व. श्री कन्हैयालाल सैनी

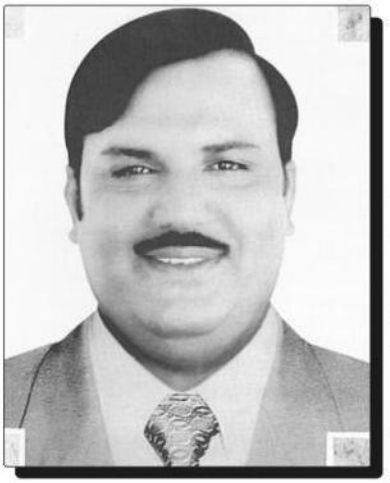

राज्य सरकार द्वारा राज्य में क्रिकेट में किये गये इनके योगदान को दृष्टिगत रखते हुए मानसरोवर स्थित क्रिकट स्टेडियम का नाम श्री के. एल.सैनी क्रिकेट स्टेडियम रखा गया है। स्व. श्री कन्हैयालाल सैनी को मरणोपरान्त 11 अप्रेल 1999 को समाज कल्याण विभाग राजस्थान सरकार द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले की जयन्ति पर उनके खेल जगत के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों हेतु सराहना स्वरूप प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

श्री कन्हैयालाल सैनी का जन्म दिनांक 1 जनवरी 1948 को जयपुर में हुआ। आपके पिता श्री ग्यारसी लाल सैनी साधारण परिवार में थे। आपकी माताजी श्रीमती भूरी देवी थें श्री ग्यारसीलाल सैनी के चार पुत्रों में श्री सैन सबसे बड़े थे। इनके छोटे भाई श्री बाबूलाल सैनी प्रमुख समाजसेवी निवर्तमान में निगम जयपुर में पार्षद थे तथा कांग्रेस पार्षद दल के उपनेता थे। इनके छोटे भाई श्री गणेश सैनी का निजी व्यवसाय हैं। श्री कन्हैयालाल सैनी ने समाज तथा विभिन्न खेलों के विभिन्न संगठनों में महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए उल्लेखनीय कार्य किया हैं।

श्री सैनी 10 वर्षो तक लगातार जयपुर जिला किक्रेट संघ के अध्यक्ष रहे। इसके उपरान्त क्रमश: राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े रहे तथा वर्ष 1978 से 1993 तक राजस्थान क्रिकेट टीम के मैनेजर रहे। वर्ग 1973 से 1993 तक आप राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउन्सिल के वाइस प्रेसीडेन्ट भी रहे। इस अवधि में क्रिकेट के राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मैच जयपुर में आयोजित किये गये वनडे तथा टेस्ट मैचों के आयोजन में आपको प्रमुख भागीदारी रही। आप क्रिकेट के प्रति पूर्णतया समर्पित रहे। इसके अतिरिक्त आप वर्ष 1984 से 1993 तक राजस्थान शूटिंग बॉल एसोसिएशन तथा वर्ष 1984 से 1987 तक रस्साकस्सी ट्रेक वार एसोसिएशन के अध्यक्ष भी रहे। सैनी जयपुर जिला बॉक्सिंग के संरक्षक भी थे। आप वर्ष 1989 से 1993 तक राजस्थान श्री बॉल के अध्यक्ष रहे। श्री सैनी के खेलों के क्षेत्र के दीर्घ अनुभव को दृष्टिगत रखते हुए उन्हें इंगलैण्ड में वर्ष 1989 में हुई शूटिंग बॉल प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गय। विभिन्न खेलों से सम्बद्ध रहने के कारण उन्होंने 36 देशों को यात्राएँ भी की थी।

खेलों के साथ-साथ श्री सैनी ने समाज के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई वे सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। आप वर्ष 1992 में राजस्थान प्रदेश माली (सैनी) महासभा, जयपुर के महामंत्री बनाये गये। वर्ष 1992 एवं 1993 की ।। अप्रेल को महात्मा ज्योतिबा फूले की जयन्ती के अवसर पर आयोजित किये जाने वाले मेलों का आयोजन आपके नेतृत्व में हुआ। आपके विलक्षण नेतृत्व का ही प्रभाव था कि 1992 से पूर्व जहाँ ज्योतिबा फूले की जयन्ती के अवसर पर आयोजित मेले में समाज के लोगों की संख्या काफी कम होती थी, वहीं 1992 के बाद श्री सैनी द्वारा मेले के आयोजन का भार सम्भालने के उपरान्त समाज के 10000 से 15000 तक की संख्या में हर वर्ग के लोग बड़े उत्साह से भाग लेने लगे। श्री सैनी जीवनपर्यन्त समाज के पिछड़े तथा गरीब लोगों की मदद को सदैव तत्पर रहे। श्री सैनी समाज सुधार के प्रति भी पूर्णत: समर्पित थे। आप युवकों को विभिन्न खेलों में भाग लेने हेतु निरन्तर प्रोत्साहित करते रहते थे। श्री सैनी समजा की प्रत्येक गतिविधियों में भाग लेकर समाज के उत्थान तथा सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध कार्य करने को प्रेरित करते रहें। यही नहीं श्री कन्हैया लाल सैनी का राजनैतिक क्षेत्र में भी खसा प्रभाव रहा। वे 25 वर्षो से लगातार कांग्रेस पार्टी से जुड़े रहे। कांग्रेस पार्टी में इनके सक्रिय योगदान को दृष्टिगत रखने हुए इन्हें सर्वसम्पति से जयपुर शहर कांग्रेस पार्टी के महामंत्री के पद पर मनोनीत किया गया।

श्री कन्हैयालाल सैनी का 46 वर्ष की अल्पायु में 20 अक्टूबर, 1993 को असामयिक निधन हो गया। श्री सैनी अपने पीछे अपनी धर्मपती श्रीमती अयोध्या देवी तथा दो पुत्र श्री महेश सैनी, श्री विष्णु सैनी व एक पुत्री मंजू सैनी को छोड़ गये है। इनके निधन से समाज ही नहीं राजस्थान में क्रिकेट तथा अन्य खेलों को अपूरणीय क्षति हुई है। श्री सैनी द्वारा माली समाज को संगठित करने तथा समाज के उत्थान हेतु किये गये उनके योगदान के लिये उन्हें हमेशा याद किया जाता रहेगा तथा वे समाज के प्रेरणा स्त्रोत बने रहेंगे।

राज्य सरकार द्वारा राज्य में क्रिकेट में किये गये इनके योगदान को दृष्टिगत रखते हुए मानसरोवर स्थित क्रिकट स्टेडियम का नाम श्री के.एल.सैनी क्रिकेट स्टेडियम रखा गया है। स्व. श्री कन्हैयालाल सैनी को मरणोपरान्त 11 अप्रेल 1999 को समाज कल्याण विभाग राजस्थान सरकार द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले की जयन्ति पर उनके खेल जगत के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों हेतु सराहना स्वरूप प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। यदि इसी प्रकार श्री सैनी की याद में जयपुर तथा राज्य स्तरीय माली समाज के संगठनों को उनके नाम से विभिन्न खेल प्रतियोगिताए तथा समाज के प्रतिभाशली विद्यार्थियों के लिए अध्ययन, अध्यापन व सम्मान समारोह आयोजित किये जाये तो सही समाज द्वारा भी कन्हैया लाल सैनी के प्रति सम्मान होगा।

बस्सी में प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न

बस्सी। हमारी बेटी कैसी हो पारूल गहलोत जैसी हो, यह नारा माली समाज के प्रतिभा सम्मान के दौरान रासीको अध्यक्ष ने कही। साथ ही महिला शिक्षा को बढावा देने के लिए स्थानीय क्षैत्र के प्रतिभावान विधार्थियो के अभिभावको का धन्यवाद किया। नईनाथ धाम ज्योति राव फूले विकास संस्थान बासखौह द्वारा 13वां प्रतिभा सम्मान समरोह का आयोजन किया गया। समारोह मे राजस्थान बोर्ड मे प्रथम स्थान पर आई पारूल गहलोत का सम्मान किया गया और उसको यह विश्वास दिलाया कि वो आगे भी इसी तरह समाज का नाम रोशन करती रहे है। समाज उसके लिए हर सम्भव आर्थिक सहायता प्रदान करेगा। साथ राजस्थान बोर्ड की मेरिट मे प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभा पारूल गहलोत ने समारोह मे उपस्थित अन्य प्रतिभाओ को मार्ग दर्शन भी किया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री सुनील परिहार अध्यक्ष रासीको, विशिष्ठ अतिथि श्री मांगी लाल पँवार अध्यक्ष राष्ट्रीय ज्योतिबा राव फूले विकास संस्थान, श्री बिरदी चन्द सिसोदिया समाजसेवी, अध्यक्षता श्री जगदीश प्रसाद सैनी ने की। कार्यक्रम मे बस्सी उपखण्ड, चाकसू, जमवारामगढ, रामगढ पचावारा दौसा, लवाण, लालसोट सहित अनेक गॉवो के प्रतिभावान छात्र-छात्राओ का सम्मान किया गया। समारोह मे मुख्यअतिथि ने कहा कि समाज की बेटियो को पारूल से प्रेरणा लेनी चाहिए। जिसने पूरे प्रदेश मे समाज का राजस्थान बोर्ड मे स्थान प्राप्त कर नाम रोशन किया है। साथ बस्सी समाजिक पंचायत द्वारा कि गई अपील का समर्थन करते हुए बालविवाह, दहेज प्रथा, मृत्युभोज जैसी कुप्रथाओ पर रोक लगाने की अपील की। समारोह मे दसवीं, बाहरवीं, स्नातक मे 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विधार्थियो एवं नवनियुक्त समाज के प्रतिभाओ सहित करीब 450 छात्र-छात्राओ का सम्मान किया गया।

माली सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी विवरणिका का लोकार्पण

बीकानेर। मेघराज टाक द्वारा संकलित संपादित बीकानेर माली-सैनी कर्मचारी अधिकार विवरणिका के प्रथम सस्करंण का लोकापर्ण एवं अलग-अलग क्षेत्रो में उललेखनीय कार्य करने वाली समाज की प्रतिभाओं का बुधवार को गोपेश्वर बस्ती स्थित शिव पार्वती मन्दिर परिसर में राजस्थान लधु उधोग निगम के अध्यक्ष श्री सुनील परिहार ने सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि परिहार ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान करने से अन्य लोगों को अच्छा काम करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से समाज में छिपी प्रतिभाओं को पहचानने एवं तराशने का उपस्थितजनों से आग्रह किया।

विशिष्ट अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर के अतिरिक्त महाअधिवक्ता श्री इनद्रराज सैनी ने विवरणिका को सब के लिये उपयोगी बताया। राजस्थान पुलिस उपाधीक्षक श्री सुरेन्द्र भाटी ने कहा कि समाजिक क्षेत्र में काम करने से सुकुन मिलता है। राजसथान सैनी माली कर्मचारी अधिकारी विकास मंच जयपुर के श्री मनफुल सिंह सैनी ने जयपुर में चल रहे छात्रावास के निर्माण में सहयोग के लिये बीकानेर के भामाशाहो को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। आयोजन समिति से जुड़े श्री श्याम भाटी ने विवरणिका के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में आयोजन समिति के संयोजक श्री निहाल सिंह सैनी, श्री मेघराज टाक, श्री राधेश्याम सांखला, श्री मनीष गहलोत, श्री प्रमोद गहलोत, श्री राजेश गहलोत, श्री अशोक सोलंकी, श्री

दीपकराज, श्री रघुनाथ सिंह सोलंकी आदि ने अतिथियों का परम्परागत तरीके से साफा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत अधिक्षण अभियन्ता श्री बी. एल. गहलोत ने की तथा उन्होंने आभार जताया।

इनका किया सम्मान -

श्री ए. के. गहलोत, श्री टी. के. गहलोत, श्री महेन्द्र खडगावत, श्री गोपाल गहलोत, श्री यशपाल गहलोत, श्री दाउलाल भाटी, श्रीलालचंद गहलोत, श्री शक्ति सिंह कच्छावा, श्री चन्दन सोंलकी, श्री मनोज गहलोत, अम्बिका सोंलकी, वीणा गहलोत, सरोज सोंलकी, पवन गहलोत सामूहिक विवाह संस्थान बीकानेर।

विभिन्न समाचार

जैतारण में नर नारायण सेवा का दिव्य सत्संग

17 सितम्बर, 2013 (मंगलवार) जैतारण (पाली) जैतारण में नवस्थापित मारवाड़ नर नारायण सेवा संस्थान के दो दिवसीय अदभुंत कार्यक्रम का लाभ प्राप्त कर जैतारण के श्रद्धालु भक्तों ने अतीव हर्ष व गर्व की अनुभूति की। बड़ा रामद्वारा, सूरसागर, जोधपुर के सुप्रसिद्ध रामस्नेही संत श्री रामप्रसाद जी महाराज के जैतारण शुभागमन पर आयोजित दो दिवसीय अविस्मरणीय दिव्य सत्संग का लाभ प्राप्त करने यद्यपि आशा से कम ही श्रद्धालु पहुँचे किंतु जो पहुँचे उन्होंने संत्सग प्रवचन का दिव्य आनन्द लाभ प्राप्त किया। दो दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन राघवभवनमें आयोजित सत्संग कार्यक्रम में भजन मण्डली ने भक्ति से ओत प्रोत पदों की प्रस्तुति कर दिव्य आनन्द का अनुभव करवाया। महाराज श्री ने इस अवसर सारगर्भित प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य को जीवन में पर निंदा से बचना चाहिए। कर्तव्य, परोपकार के समान कोई धर्म नही है। तथा परपीड़ा के समान कोई पाप नहीं है। कर्तव्य अकर्तव्य का विचार कर श्रेष्ठ कर्म में लगने वाले मनुष्यों का जीवन सार्थक है। मनुष्य जन्म अनेक जन्मों के पुण्यों के पश्चात् प्राप्त होता हे अत: इसे सद् कार्यों तथा परमात्मा की भक्ति में लगाना चाहिए।

महाराजश्री ने दो दिवसीय कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पन्न करने में सहयोग करने वाले सभी महानुभवों को सम्मानित किया। आपने इस अवसर पर ''मारवाड़ नरनारायण सेवा संस्थान'' के स भी संस्थापक /संरक्षक/आजीवन सदस्यों को भी माल्यार्पण तथा पीत वस्त्रपट्टिका से सम्मानित किया। इस अवसर पर फालना (पाली) से पधारे श्री मोती लाल साँखला (संरक्षक) ने भी महाराज श्री के प्रति अपनी सद् भावना प्रकट की और श्रद्धालु भक्तों से कहा कि वे जैतारण में नवस्थापित 'मारवाड़ नरनारायण सेवा संस्थान' से जुड़ें तथा इसको अपना भरपूर सहयोग / समर्थन प्रदान करें। सेवा संस्थान सहयोगी श्री धर्मेश जाँगिड, एडवोकेट ने सभी श्रद्धालुओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

फूलमाली समाज हाथीपोल शाखा संस्थान, उदयपुर 'नवमा' - नंदभवन स्थापना दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस

फूलमाली समाज हाथीपोल शाखा संस्थान, उदयपुर द्वारा ''नवमा'' नंदभवन स्थापना दिवस एवं 67 वां स्वतंत्रता दिवस 100-फीट रोड, खाराकुंअ स्थित 'नंदभवन प्रागंण के हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर सर्व प्रथम फूलमाली समाज के अध्यक्ष श्रीमान् दौलतराम मोरी द्वारा ध्वजारोहण किया गया व इस पावन पर्व पर समाज को उद्बोधित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती माताजी के ईषवंदना व श्री गणपतीजी को मालापर्ण द्वारा की गई व सभी अतिथियों को स्वागत की रस्म के चरण में माल्यार्पण व कंकु तिलक से स्वागत किया गया। इस पावन पर्व पर समाज को आर्थिक सहयोग व सराहनीय कार्य करने वाले 13 भामाशाहों को शॉल, पगड़ी व शिक्षा में उच्च परिणाम प्राप्त करने वाले 34 शिक्षा रत्नों को स्मृति चिन्ह व प्रमाणपत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समाज उपाध्यक्ष- श्री मोहनलाल बड़ीवाल ने सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया व समाज की वर्षभर की उपलब्धियों व विकास कार्यो को विस्तरित रूप में प्रस्तुत किया। सम्मान समारोह में समाज के अधिक से अधिक महिला-पुरूषों, बुर्जुगों व विशेषकर युवाओं ने पूरे जोश व उमंग के साथ अधिकाधिक संख्या में उपस्थिति देकर इस समारोह के सफल बनया। इस अवसर पर बालक-बालिकाओं द्वारा देशभक्ति गीत, कविताएँ व सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गयी, जिसे उपस्थित समाज बंधुओं ने काफी सराहा। समाज के सचिव श्री गौरीशंकर तंवर द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन के साथ ही समाज उपलब्धियों व विकास कार्यो का विवरण प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया की समाज के लिए अतिरिक्त भूमि की व्यवस्था करने का प्रयास किया जा रहा है इसके लिय समाज के लिये रियाती दर पर भूमि आवंटन हेतु न्ज्ज में पत्रावली प्रस्तुत कर दी गई है तथा न्ज्ज द्वारा जो जमीन बताई गई है वह दक्षिण विस्तार पन्नाधाय योजना व बलीचा में बताई गई है जो शहर से काफी दूर होने से समाज के लिय उपयुक्त नहीं है न्ज्ज द्वारा नजदीक की प्रस्तावित योजना जो चित्रकूट नगर, भुवाणा क्षेत्र है, में भूमि की तलाब जारी है, उपयुक्त भूमि प्राप्त होने पर आवंटन की कार्यवाही का प्रयास किया जायेगा।

समारोह में मंच संचालनकर्ता- श्री किशन माली ने सभी उपस्थित अतिथियों व समारोह में की गई व्यवस्थाओं के अमूल्य योगदान के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया।

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर(पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपाध्यक्ष, नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मंडल महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री श्यामलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली, (पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल पुत्र श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़

माली सैनी सन्देश

ही क्यों ?

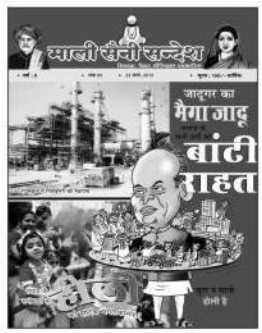

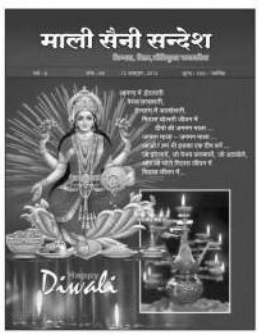

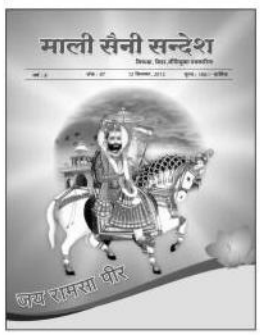

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पाठकों का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे देश ही नहीं विदेश में भी।

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	6,000/-
Inside Cover	4,000/-
Color Page	2,500/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 92140 75464
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

क्योंकि सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता . . .

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

श्री द्वारकाधीश महाराज मंदिर बुंदी में फूलमाली समाज की वन यात्रा की झलकियां

समाजसेवी श्री भगवानसिंहजी परिवार के जन्म उत्सव की झलकियां

RAJHIN 16445/20/1/2013-TC

इनका प्रयास रहा ....

राजस्थान खुशहाल बनें,

हर हाथ को रोजगार मिले

शोषित और पीड़ित की आँख में आंसू न हों

गरीब को गौरव मिले

किसान को उपज का लाभ मिले

ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनें

नई औद्योगिक संस्कृति का विकास हो

गाँव विकास की योजना गाँव के लोग ही तय करें

सड़कों का जाल बिछे, सब साक्षर हों

और इस प्रकार हम देश की अग्रिम पंक्ति में खड़े हों ... ।।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं संपादक मनीष गहलोत के लिए
मुद्रक यशवंत भण्डारी द्वारा भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस सेक्टर 7,
जोधपुर से मुद्रित एवं माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर से प्रकाशित।
फोन : 9414475464 ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR

log on : www.malisainisandesh.com; www.malisaini.org